01-नवम्बर-2024 से 07-नवम्बर-2024

जिंसों का घूमता आइना-सोया

(01-नवम्बर-2024 से 07-नवम्बर-2024)

सोयाबीन में मुहूर्त के सौदे आरंभ- भाव गत वर्ष से काफी नीचे
लैटिन अमरीका में सोयाबीन की बिजाई की गति धीमी
मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार
मंडियों में प्रचलित कमजोर मूल्य से मूंगफली एवं सोयाबीन का उत्पादन बढ़ने के संकेत
जीएम फसलों के लिए नीति किसानों के अनुकूल होना आवश्यक
तिलहन-तेल के वैश्विक बाजार भाव में तेजी-मजबूती बरकरार रहने की उम्मीद
बेहतर घरेलू उत्पादन की वजह से खाद्य तेलों का आयात घटने की संभावना

साप्ताहिक समीक्षा-सोयाबीन

नई दिल्ली। बेहतर उत्पादन, भरपूरत आपूर्ति, सरकारी खरीद की धीमी गति एवं मिलर्स की कमजोर मांग से 1-7 नवम्बर वाले सप्ताह के दौरान मध्य प्रदेश में सोयाबीन के प्लांट डिलीवरी मूल्य में 100-150 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी जबकि महाराष्ट्र में गिरावट 175 रुपए तक पहुंची और राजस्थान में 125-150 रुपए प्रति क्विंटल की रही। हालांकि सरकार ने सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2023-24 के 4600 रुपए प्रति क्विंटल से 272 रुपए या 6.34 प्रतिशत बढ़ाकर 2024-25 सीजन के लिए 4892 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है मगर इसका थोक मंडी भाव इससे काफी नीचे चल रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर थोक मंडियों में रोजाना 6.50 से 7.50 लाख बोरी के बीच सोयाबीन की आवक हो रही है जबकि मिलर्स की मांग सुस्त पड़ गयी है। सरकार ने सोयाबीन का भाव ऊंचा उठाने के उद्देश्य से खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में 20 प्रतिशत का इजाफा किया था मगर इसका कोई सार्थक या सकारात्मक परिणाम अभी तक सामने नहीं आया है।

सोया तेल

सोयाबीन तेल की कीमतों में भी 30 रुपए प्रति 10 किलो तक की गिरावट रही जबकि अधिकांश प्लांटों ने इसके दाम में 10-20 रुपए की कटौती की। कोटा और कांडला के में भाव 15 रुपए नरम रहा। हल्दिया में भी इतनी ही कमी आई। त्यौहारी सीजन की मांग समाप्त हो चुकी है। विदेशों से सोया तेल का आयात जारी है और सरकारी एजेंसियों द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर इस महत्वपूर्ण तिलहन की खरीद में ज्यादा सक्रियता नहीं दिखाई जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सोयाबीन का घरेलू उत्पादन पिछले सीजन के 130 लाख टन से बढ़कर चालू सीजन में 133 लाख टन पर पहुंचने का अनुमान लगाया है।

सोयामील

सोयामील का मूल्य भी कमजोर पड़ा है जिससे पशुआहार एवं पोल्ट्री फीड उद्योग में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा सोयामील का निर्यात भी बेहतर हो सकता है। सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करके सोयाबीन की खरीद बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

SOYA PLANT PRICE SHEET (01-NOV.-2024 to 07-NOV.-2024)		
CITY	PLANT	MIN/MAX
BETUL	BETUL OIL	4500/4600
BHOPAL	KHYATI	
BHOPAL	BANSAL	
DATIYA	AGRO SOLVENT	
DEVAS	PRESTIGE	4500/4651
DEVAS	DIVYA JYOTI	4500/4601
DEVAS	MAHAKALI	
DEVAS	RAMA	4475/4550
DEVAS	VIPPY	4530/4671
DEVAS	KRATI	
DEVAS	PREMIER	
DEVAS	ADANI	
DEVAS	AGARWAL	
INDORE	RUCHI	4450/4580
INDORE	INDIAN	
ITARSI	ITARSI OIL	
ITARSI	SAWARIYA AGRO	4460/4601
JAORA	AMBIKA	
KHANDWA	KHANDWA OIL	4470/4600
MANDIDEEP	SAWARIYA AGRO	
MANDSAUR	AMRIT	4500/4751
MANGALIA	SITASHRI	
NEEMUCH	DHANUKA	4575/4700
NEEMUCH	AGARWAL	
NEWARI	KP	4520/4580
PITHAMPUR	AMBUJA	
PITHAMPUR	PRAKASH	4525/4650
PITHAMPUR	BAJRANG	
SATNA	BETUL	4525/4655
UJJAIN	AVI AGRO	4525/4625
VIDISHA	ADANI	
VIDISHA	RH	4500/4650
VIDISHA	SHANTI OVERSEAS	
MAHARASHTRA		
AKOLA	DAYAL	4400/4550
AKOLA	AMBUJA	
AKOLA	AMBICA	4350/4500
DHULIA	DEESAN	4550/4680
DHULIA	OMSHRI	4550/4725
DHULIA	MAHARASHTRA	4540/4701
DHULIA	SANJAY	4550/4650
GANGAKHED	GANGAKHED	4460/4560
HINGOLI	KIRTI	4600/4721
HINGOLI	GAJANAN	
HINGOLI	SHIV PARVATI	4500/4601

CITY	PLANT	MIN/MAX
LATUR	ADM	4480
LATUR	OCTOGAN	4520
NAGPUR	RUCHI	4425/4525
NAGPUR	TANYA	4525/4600
NAGPUR	CARGIL	
NAGPUR	SHYAMKALA	4410/4525
NAGPUR	SHALIMAR	4500/4650
NAGPUR	SNEHA	4521/4625
NAGPUR	SSPL	
NAGPUR	SUGUNA	4400/4500
NANDED	KIRTI (KUSHNOOR)	4600/4721
NANDED	SRINIWAS CATTELFEED	4500/4625
NANDED	SRINIWAS AGRO	4485/4560
NANDED	KOHINOOR	4500/4600
NANDED	SATYSAI/SIDDHRAMESH	4475/4600
NANDED	KAPIL	4500/4525
NANDED	SAI SAMARAN	4475/4600
NANDED	VENKIS	
NNDURBAR	NNDURBAR	4520/4691
SANGLI	PALUS	4500/4525
SANGLI	RAJARAM	4475/4500
SANGLI	RADHA KRISHNA(RK)	4475/4500
SANGLI	STAR(GHODAWAT)	
SOLAPUR	KIRTI	4600/4721
SOLAPUR	SADGURU	4525/4600
SOLAPUR	BETUL	4475/4600
SOLAPUR	VENKIS	
UDGIR	NARAYAN AGRO	4475/4600
WASHIM	RUCHI	
WASHIM	NARMDA	4500
BARAN	RUCHI	
BUNDI	BUNGE	
BUNDI	ADANI	
KOTA	SHIV EDIBLE	4500/4625
KOTA	GOYAL PROTEIN	4500/4625
KOTA	MAHESH EDIBLE	4800/4950

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

REFINED SOYA OIL PRICE SHEET (01-NOV.-2024 to 07-NOV-2024)		
CITY	PLANT NAME	MIN/MAX
DEVAS	PRESTIGE	
DEVAS	DIVYA JYOTI	
DEVAS	MAHAKALI	
DEVAS	VIPPY	1330
DEVAS	ADANI	
INDORE	RUCHI	
INDORE	INDIAN	
ITARSI	ITARSI OIL	
KHANDWA	KHANDWA OIL	
MANDSAUR	AMRIT	1300/1340
MANDSAUR	AMBICA	1305
MANDSAUR	DHANUKA	1300/1325
MANDSAUR	MS GOLD	1300/1325
PITHAMPUR	AMBUJA	
PITHAMPUR	PRAKASH	1305/1335
PITHAMPUR	BAJRANG	
UJJAIN	AVI AGRO	1315/1345
UJJAIN	RH	
UJJAIN	SITASHRI	
UJJAIN	KALAPIPL	1325
UJJAIN	KESHAV	
UJJAIN	SHUBH LABH	
UJJAIN	SARVOTTAM	
UJJAIN	SUJALPUR	
UJJAIN	RESALLER	
MAHARASHTRA		
AKOLA	AMBUJA	
AKOLA	AMBICA	
AKOLA	DAYAL	
DHULIA	DEESAN	1320/1340
DHULIA	OMSHRI	1320/1345
DHULIA	MAHARASHTRA	1320/1346
DHULIA	SANJAY	1320/1345
HINGOLI	KIRTI	1300/1330
LATUR	KIRTI	1300/1330
LATUR	ADM	1315/1340
NAGPUR	RUCHI	
NAGPUR	AMRAWATI	
NAGPUR	SUGUNA	1335/1365
NAGPUR	SHALIMAR	1370
NANDED	KIRTI (KUSHNOOR)	1300/1330
NANDED	SRINIWAS CATTELFEED	1310/1340
NANDED	SRINIWAS AGRO	1310/1340
NANDED	KOHINOOR	
NANDED	SATYASAI	1310/1340
NANDED	KAPIL	

CITY	PLANT NAME	MIN/MAX
SOLAPUR	KIRTI	1300/1330
WASIM	NARMDA	
WASIM	GHATSAVLI	
KOTA	KOTA	1350/1365
MUMBAI	MUMBAI	1380
KANDLA	KANDLA	1315/1335
HALDIYA	HALDIYA	1305/1325

SOYOIL PROD. IMPORT, EXPORT, STOCK FIGURES (USDA AUGUST REPORT) (QTY IN LAKH TONS) (2023-24 ESTIMATE)			
WORLD			
	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	52.6	50.1	2.50
PRODUCTION	655.2	623.2	32.00
IMPORT	111.2	104.6	6.60
DOMESTIC USE	646	614.1	31.90
EXPORTS	120.2	111.2	9.00
ENDING STOCKS	52.8	52.6	0.20
ARGENTINA			
	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	2.8	3.2	0.40
PRODUCTION	79	70.1	8.90
IMPORT	0	0	0.00
DOMESTIC USE	23.6	22.5	1.10
EXPORTS	55	48	7.00
ENDING STOCKS	3.2	2.8	0.40
BRAZIL			
	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	8.1	4.9	3.20
PRODUCTION	108	108	0.00
IMPORT	0.4	0.7	0.30
DOMESTIC USE	95.3	91.5	3.80
EXPORTS	14	14	0.00
ENDING STOCKS	7.2	8.1	0.90
INDIA			
	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	4.2	6	1.80
PRODUCTION	19.8	20.3	0.50
IMPORT	35	29.5	5.50
DOMESTIC USE	56	51.5	4.50
EXPORTS	0.2	0.2	0.00
ENDING STOCKS	2.8	4.2	1.40
AMERICA (U.S)			
	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	7.3	7.3	0.00
PRODUCTION	129.3	122.3	7.00
IMPORT	2	2.7	0.70
DOMESTIC USE	127.9	122	5.90
EXPORTS	2.7	3	0.30
ENDING STOCKS	8.1	7.3	0.80

बाजार भविष्य

★ अंतराष्ट्रीय तेल तिलहनों बाज़ारों में तेजी की प्रबल संभावनाएं।
★ बायो डीजल मैं बढ़ रही ही खाद्य तेलों की खपत।
★ इंडोनेशिया में पाम का इस्तेमाल और अमेरिका, अर्जेंटीना, ब्राज़ील में सोयातेल की मांग मं हो रहा है इजाफा।
★ 2024 के अंत में सकल तेलों की खपत 60 लाख टन बढ़ सकती है जबकि उपलब्धता केवल 16 लाख टन बढ़ रही है।
★ आगामी सीजन 2024-25 में उपभोगकर्ताओं को करना होगा अधिक खर्च।
★ पाम तेल की कीमतों में देखि जा रही है बढ़ोतरी।
★ पिछले 5 सप्ताहों में पाम भाव $110 से बढ़कर $180/ टन पहुंचे एवं अन्य तेलों के 10 -18% बढे।
★ तेलों की औद्योगिक खपत में 20% का इजाफा।
★ यूज़्ड कुकिंग आयल की उपलब्धता कमज़ोर पड़ने से ने तेल की मांग बढ़ी।
★ सूरजमुखी का उत्पादन घटने के कारण केनोला की डिमांड बढ़ी।
★ USDA ने अभी हाल ही में मलेशिया में पाम का स्टॉक 161 लाख टन में सिमटने का दिया अनुमान पिछले अनुमान से 15 लाख टन कम।
★ खरीफ 2024-25 पहला उत्पादन अनुमान।
★ चालू सीजन में मौसम ने दिया फसलों का पूरा साथ। मोटे अनाज को छोड़ अन्य सभी फसलों की बिजाई में बढ़ोत्तरी।
★ अच्छा पानी पड़ने से किसानों ने मोटे अनाज (जिनमें कम पानी की जरुरत होती है) को प्राथमिकता नहीं दी।
★ धान, मक्का, दलहन (उड़द को छोड़) और सोया के उत्पादन अधिक होने का दिया अनुमान।
★ तिलहन फसलों में मूंगफली का उत्पादन मामूली बढ़कर 103.6 लाख टन रहने का अनुमान, सोया उत्पादन जो गत वर्ष 130.62 लाख टन था मामूली बढ़कर 133.6 लाख टन बताया गया।
★ सोया उत्पादन में उस अनुपात में वृद्धि नहीं दिखाई दी जितना अनुमान लगाया गया।
★ अरंडी फसल व बिजाई दोनों लेट होती है। बारिश समय पर पड़ने से किसानों का रुझान अन्य फसल पर पड़ा व एरिया घटा। कुल उत्पादन 15.53 लाख टन में सिमट सकता है जो गत वर्ष 19.6 लाख टन था।
★ तिल उत्पादन गत वर्ष से मामूली बढ़कर 4 लाख टन के आसपास के आकड़े दिए गये।
★ मंडियों में सोया, मूंगफली की जोरदार आवक। धान, मक्का, बाजरा, रागी की आवक गत वर्ष के बराबर।
★ ज्वार की आवक भी अच्छी। सूरजमुखी, मूंग, उड़द की आवक कमजोर।
★ जल्द ही जारी होंगे पहले उत्पादन अनुमान के आकड़े।

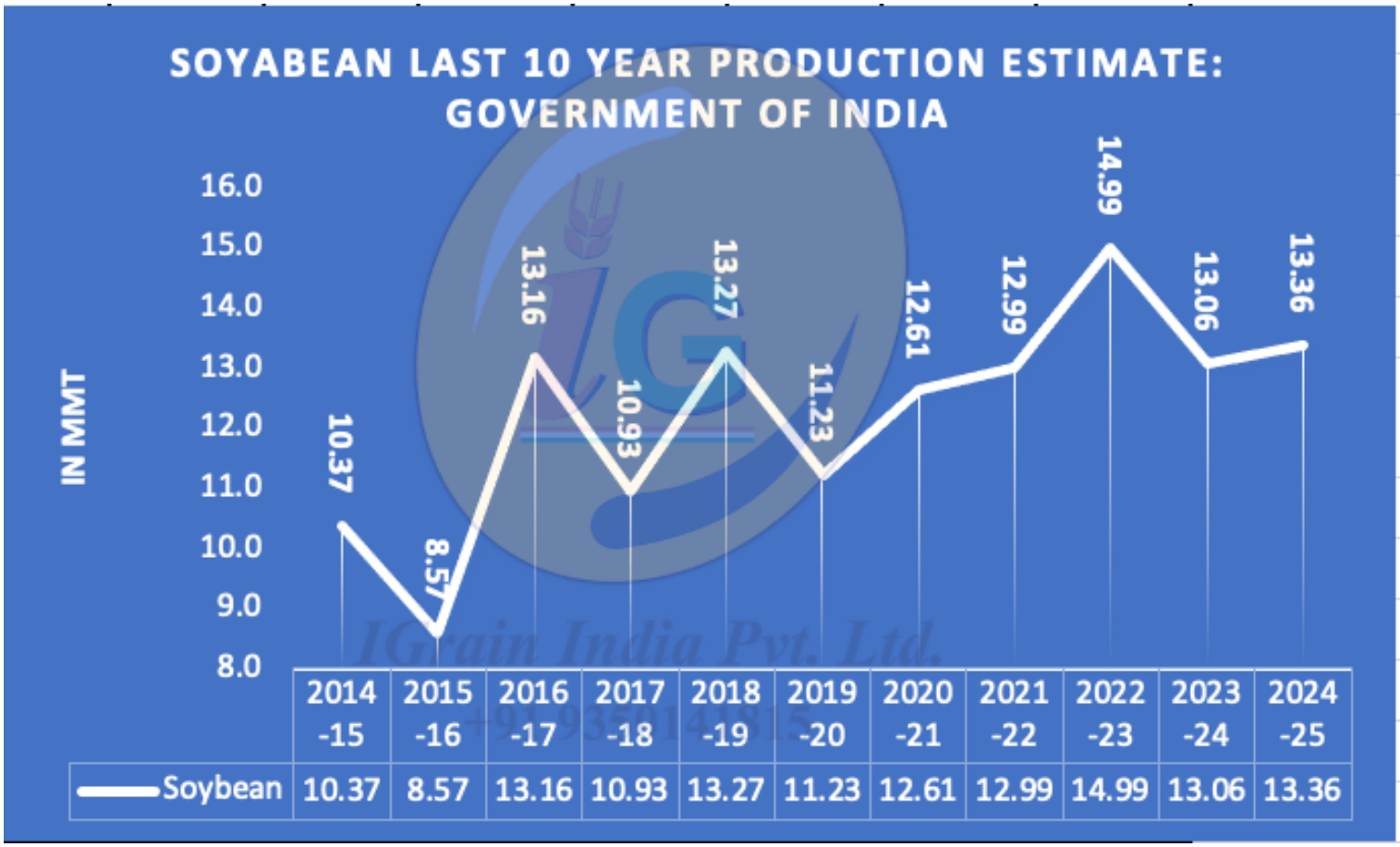

मंडियों में प्रचलित कमजोर मूल्य से मूंगफली एवं सोयाबीन का उत्पादन बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली। खरीफ सीजन के दौरान बिजाई क्षेत्र में हुई अच्छी बढ़ोत्तरी के आधार पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने मूंगफली तथा सोयाबीन के उत्पादन में इजाफा होने का अनुमान लगाया है जबकि मंडियों में हो रही भारी आवक तथा कमजोर कीमत से भी इसकी पैदावार में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार 2023-24 सीजन के मुकाबले 2024-25 के वर्तमान खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान मूंगफली का घरेलू उत्पादन 86.60 लाख टन से 17 लाख टन उछलकर 103.60 लाख टन तथा सोयाबीन का उत्पादन 130.60 लाख टन से 3 लाख टन बढ़कर 133.60 लाख टन पर पहुंच जाने का अनुमान है। खरीफ सीजन के इन दोनों प्रमुख तिलहनों का थोक मंडी भाव अक्टूबर माह के दौरान नरम रहा जबकि इसके नए माल की भारी आवक होती रही। क्रशिंग-प्रोसेसिंग इकाइयों द्वारा ऊंचे दाम पर इसकी खरीद में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई गई क्योंकि उसे आपूर्ति का कोई संकट नजर नहीं आ रहा था। केन्द्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंगफली एवं सोयाबीन-खरीदने का निर्णय लिया है लेकिन जब किसानों से इसकी जोरदार खरीद शुरू होगी तभी मंडी भाव में कुछ मजबूती आने की उम्मीद बन सकती है।

दिलचस्पी तथ्य यह है कि चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा सोयाबीन एवं मूंगफली का जो उत्पादन अनुमान लगाया गया है वह सभी सम्बद्ध पक्षों से किए गए विचार-विमर्श पर आधारित है। गुजरात में इस वर्ष मूंगफली के बिजाई क्षेत्र में काफी वृद्धि हुई और मौसम की हालत भी फसल के लिए अनुकूल रही इसलिए वहां औसत उपज दर में काफी सुधार आने के आसार हैं। केन्द्र सरकार ने 2023-24 सीजन की तुलना में 2024-25 सीजन के लिए सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6.3 प्रतिशत बढ़कर 4892 रुपए प्रति क्विंटल तथा मूंगफली का समर्थन मूल्य 6.4 प्रतिशत बढ़ाकर 6783 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार

नई दिल्ली। बेहतर बिजाई एवं अनुकूल मौसम के कारण चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार हैं मगर अरंडी तथा नाइजरसीड की पैदावार घटने की संभावना है। तिल तथा सूरजमुखी का उत्पादन गत वर्ष के लगभग बराबर रह सकता है। फसलों की कटाई-तैयारी पहले ही आरंभ हो चुकी है। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने खरीफ कालीन तिलहन फसलों का पहला अग्रिम उत्पादन अनुमान जारी कर दिया है। पिछले साल के मुकाबले इसका कुल उत्पादन इस वर्ष 241.62 लाख टन से 15.83 लाख टन बढ़कर 257.45 लाख टन पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। इसके तहत खासकर मूंगफली का उत्पादन 86.60 लाख टन से 17 लाख टन उछलकर 103.60 लाख टन, सोयाबीन का उत्पादन 130.62 लाख टन से 2.98 लाख टन बढ़कर 133.60 लाख टन तथा तिल का उत्पादन 3.95 लाख टन से 3 हजार टन सुधरकर 3.98 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद व्यक्त की गई है जबकि सूरजमुखी का उत्पादन 60 हजार टन होने की संभावना है जो गत वर्ष के बराबर ही है। दूसरी ओर अरंडी की पैदावार पिछले साल के 19.59 लाख टन से 406 लाख टन घटकर इस बार 15.53 लाख टन तथा नाइजरसीड की पैदावार 27 हजार टन से 13 हजार टन गिरकर 14 हजार टन पर सिमट जाने की संभावना है। मूंगफली एवं अरंडी के सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य- गुजरात में पैदावार के आंकड़ों में ज्यादा उलट फेर हुआ है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सोयाबीन फसल की हालत लगभग सामान्य रही।

लैटिन अमरीका में सोयाबीन की बिजाई की गति धीमी

रियो डी जेनेरो। दक्षिण अमरीका महाद्वीप के दोनों शीर्ष उत्पादक देशों- ब्राजील एवं अर्जेन्टीना में मौसम की हालत प्रतिकूल होने से सोयाबीन की बिजाई प्रभावित हो रही है और इसका क्षेत्रफल गत वर्ष से पीछे चल रहा है। इसके अलावा उरुग्वे एवं पराग्वे जैसे पड़ोसी देशों में भी बिजाई की गति धीमी बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि विश्व स्तर पर सोयाबीन के उत्पादन तथा निर्यात में ब्राजील प्रथम तथा अर्जेन्टीना तीसरे नम्बर पर है जबकि दूसरा स्थान अमरीका का है। ब्राजील में अब धीरे-धीरे सोयाबीन की बिजाई जोर पकड़ने लगी है लेकिन सबसे प्रमुख उत्पादक प्रान्त- माटो ग्रोसो सहित देश के मध्यवर्ती एवं उत्तरी राज्यों में वर्षा का अभाव बना हुआ है। वैसे देश के दक्षिणी प्रांतों- पराना तथा रियो ग्रैंड डो सूल में हाल के दिनों में हुई बारिश से बिजाई के लिए स्थिति कुछ हद तक अनुकूल हुई है। अर्जेन्टीना में कुछ दिन पूर्व भारी बारिश से बाढ़ आ गई थी और खेतों में पानी भरने से सोयाबीन की बिजाई पर असर पड़ रहा है। वहां पानी के सूखने का इंतजार किया जा रहा है। वैसे किसान इससे ज्यादा चिंतित नहीं है क्योंकि वहां दो चरणों में सोयाबीन की खेती होती है और इसकी बिजाई की लम्बी (जनवरी तक) रहती है। वहां रकबा कुछ बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। ब्राजील में भी क्षेत्रफल कुछ सुधर सकता है। भारत में सोयाबीन तेल का सर्वाधिक आयात अर्जेन्टीना एवं ब्राजील से किया जाता है। सोयाबीन की खेती के प्रति इन दोनों देशों में किसानों में उत्साह एवं आकर्षण तो बरकरार है मगर उन्हें अनुकूल मौसम का सहारा नहीं मिल रहा है।

सोयाबीन में मुहूर्त के सौदे आरंभ- भाव गत वर्ष से काफी नीचे

इंदौर। देश के सबसे प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्य- मध्य प्रदेश में आमतौर पर दीपवाली के बाद मंडियों में इस महत्वपूर्ण तिलहन के मुहूर्त के सौदे होते हैं। इस बार चार दिनों के अवकाश के कारण आज यानी 4 नवम्बर 2024 को राज्य की प्रमुख मंडियों में मुहूर्त के सौदे आरंभ हुए हैं। इस पर सबकी निगाहें केन्द्रित हैं। गत वर्ष उज्जैन में मुहूर्त के सौदे 8551 रुपए प्रति क्विंटल पर हुए थे। परम्परा के अनुसार इस बार भी दीपावली की लक्ष्मी पूजा के बाद 31 अक्टूबर को सोयाबीन में व्यापारिक सौदे होने लगे लेकिन इसमें आरंभिक भाव 4700 रुपए प्रति क्विंटल ही बोले गए जो केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपए प्रति क्विंटल से करीब 200 रुपए प्रति क्विंटल नीचे थे। पिछले साल लक्ष्मी पूजा के बाद 5100/5200 रुपए प्रति क्विंटल के मूल्य स्तर पर सोयाबीन के व्यापारिक सौदे हुए थे। उसकी तुलना में चालू वर्ष के दौरान भाव काफी नीचे देखे गए। दरअसल गत वर्ष सोयाबीन का भाव ऊंचा चल रहा था और इसका औसत मूल्य 5500 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से सोयाबीन की खरीद की जा रही है इसलिए उत्पादकों को उम्मीद है कि मुहूर्त का भाव 6000 रुपए प्रति क्विंटल या इससे ऊंचे पर खुल सकता है। क्रशर्स-प्रोसेसर्स (प्लांट वाले) सोयाबीन की खरीद के मूल्य का ऑफर देते हैं और यह कारोबार ब्रोकर्स के माध्यम से होता है। सोयाबीन की खरीद का सौदा होने के बाद एक सप्ताह के अंदर माल की डिलीवरी दी जाती है। दीपावली से पूर्व उज्जैन में सोयाबीन का उच्चतम मूल्य 5280 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया था। अनाज तिलहन व्यापारी संघ के अनुसार 4 नवम्बर को सुबह 9.15 बजे शुभ मुहूर्त का समय निश्चित किया गया था और तदनुरूप पूरे विधि विधान के साथ इसका शुभारम्भ हो गया।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

जीएम फसलों के लिए नीति किसानों के अनुकूल होना आवश्यक

नई दिल्ली। घरेलू प्रभाग में खाद्यान्न एवं अन्य कृषि उत्पादों की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएम) फसलों की तेजी की आवश्यकता महसूस हो सकती है। फिलहाल देश में जीएम फसलों के संवर्ग में केवल बीटी कॉटन के व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति दी गई है जबकि जीएम सरसों का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के केन्द्र सरकार को अनुसंधान खेती, व्यापार एवं उपयोग के लिए सभी पक्षों के साथ विचार-विमर्श करके जीएम फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश दिया था दरअसल केन्द्र सरकार ने वर्ष 2022 में जीएम सरसों को पर्यावरणीय रिलीज करने की सशर्त स्वीकृति प्रदान की थी। धारा मस्टर्ड हाइब्रिड था डीएमएच-11 को जब अनुमति देने की घोषणा हुई तब देश में हंगामा मच गया और इसका विरोध होने लगा। बाद में यह मामला अदालत में पहुंच गया। इस पर न्यायाधीशों सर्वसम्मत राय नहीं बनने के कारण सरकार को विशेष नीति बनाने के लिए कहा गया। जीएम फसलों के पक्षधर का कहना है कि भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसके व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति देना आवश्यक है लेकिन दूसरी ओर आलोचकों का मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र में संकुचन पैदा होगा पर्यावरण एवं जैव विविधता के लिए जोखिम पैदा होगा और मनुष्य तथा पशुओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ जाएगा। केन्द्र सरकार जीएम फसलों पर एक नीति तैयार कर रही है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह नीति भारतीय किसानों के हित तथा कल्याण की सुरक्षा पर आधारित होनी चाहिए।

तिलहन-तेल के वैश्विक बाजार भाव में तेजी-मजबूती बरकरार रहने की उम्मीद

शिकागो। एक अग्रणी उद्योग विश्लेषक का कहना है कि आयातक देशों की बढ़ती मांग को देखते हुए तिलहन-तेल का वैश्विक बाजार भाव आगामी समय में भी ऊंचा और मजबूत रह सकता है। तिलहन-तेल विषय के विश्व प्रसिद्ध न्यूज लेटर-ऑयल वर्ल्ड के सम्पादक के अनुसार 2024-25 के विपणन वर्ष में तिलहनों के उत्पादकों एवं खरीदारों को ऊंचे दाम पर सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इसका प्रमुख कारण विश्व स्तर पर वनस्पति तेलों की मांग में वृद्धि का सिलसिला कायम रहना है। हाल ही में समाप्त हुए मार्केटिंग सीजन के दौरान खाद्य तेलों की वैश्विक मांग में 59 लाख टन का इजाफा दर्ज किया गया। 2024-25 के मार्केटिंग वर्ष के दौरान 17 प्रमुख किस्मों के वनस्पति तेलों एवं वसाओं की वैश्विक आपूर्ति (उपलब्धता) में 16 लाख टन का इजाफा होने का अनुमान है जबकि इसकी मांग में इससे कहीं ज्यादा बढ़ोत्तरी होगी। पाम तेल की अगुवाई में वनस्पति तेलों का भाव पहले से ही ऊंचे स्तर पर बरकरार है। विश्लेषक के मुताबिक केवल पिछले पांच सप्ताहों में यानी 24 अक्टूबर 2024 तथा चार प्रमुख किस्मों के खाद्य तेल की कीमतों में 110 से 180 डॉलर प्रति टन या 10 से 18 प्रतिशत तक की जोरदार बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। आगामी महीनों के दौरान वनस्पति तेलों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। इन खाद्य तेलों एवं वसाओं की सकल वैश्विक खपत में ऊर्जा क्षेत्र की भागीदारी के कारण आगामी वर्षों के दौरान पाम तेल सोयाबीन तेल, रेपसीड / कैनोला तेल एवं सूरजमुखी तेल की खपत पर निर्भरता बढ़ने के आसार हैं और इसके उत्पादन में अपेक्षित बढ़ोत्तरी नहीं होने पर कीमतों में स्वाभाविक रूप से तेजी-मजबूती का माहौल बन सकता है। कनाडा में कैनोला का दाम अमरीकी सोयाबीन तेल की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से काफी हद तक प्रभावित होता है। शिकागो एक्सचेंज में निकटवर्ती पोजीशनों के लिए 5 नवम्बर को सोयाबीन तेल का वायदा भाव 45 सेंट प्रति पौंड के करीब दर्ज किया गया जो 16 अगस्त के निम्न स्तरीय वायदा मूल्य की तुलना में 16 प्रतिशत ऊंचा था। दरअसल उस समय अमरीकी कृषि विभाग (उस्डा) ने 2024-25 सीजन के दौरान अमरीका में सोयाबीन का उत्पादन बढ़कर नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान लगाया था।

बेहतर घरेलू उत्पादन की वजह से खाद्य तेलों का आयात घटने की संभावना

मुम्बई। एक अग्रणी उद्योग संस्था- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सी) ने कहा है कि 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन (नवम्बर-अक्टूबर) के दौरान भारत में वनस्पति तेलों का आयात घटकर 150 लाख टन के करीब सिमट सकता है जो 2023-24 सीजन के अनुमानित आयात 160 लाख टन से 10 लाख टन तथा 2022-23 सीजन के रिकॉर्ड आयात 165 लाख टन से 15 लाख टन कम है। एसोसिएशन के मुताबिक मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण इस बार तिलहन फसलों का घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है जिससे खाद्य तेलों का बेहतर उत्पादन होगा और विदेशों से इसके आयात की आवश्यकता घट जाएगी। एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक के अनुसार फसलों की शानदार स्थिति को देखते हुए 2024-25 के पूरे मार्केटिंग सीजन के दौरान तिलहनों का कुल घरेलू उत्पादन 30 से 40 लाख टन तक बढ़ने की उम्मीद है जिससे घरेलू मांग को पूरा करने के बाद करीब 10 लाख टन का अधिशेष स्टॉक बच सकता है। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित पाम तेल कांफ्रेंस में बोलते हुए 'सी' के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि मौसम एवं मानसून की हालत अनुकूल रहने से भारत में चालू वर्ष के दौरान सोयाबीन तथा मूंगफली की उपज दर एवं पैदावार में भारी सुधार आया है जबकि रबी सीजन में सरसों का उत्पादन भी बढ़ने की संभावना है। 2023-24 के मार्केटिंग सीजन के दौरान भारत में पाम तेल का आयात घटकर 92 लाख टन पर सिमटने का अनुमान है जो 2022-23 सीजन के आयात 98 लाख टन से 6 लाख टन कम है। दूसरी ओर सूरजमुखी तेल का आयात इसी अवधि में 29 लाख टन से बढ़कर 35 लाख टन पर पहुंचने की संभावना है। पाम तेल का भाव ऊंचा होने से भारतीय आयातकों द्वारा सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत में खाद्य तेलों के कुल आयात में पाम तेल की भागीदारी करीब 60 प्रतिशत रहती है। चालू वर्ष के दौरान मलेशिया में पाम तेल का बेंचमार्क मूल्य लगभग 30 प्रतिशत ऊंचा हो गया जिससे इसकी खरीद में भारतीय आयातकों की दिलचस्पी घट गई। सितम्बर की तुलना में अक्टूबर के दौरान भारत में पाम तेल का आयात 59 प्रतिशत बढ़ गया क्योंकि वहां जोरदार त्यौहारी मांग बनी हुई थी।

दलहन-तिलहन फसलों की पैदावार बढ़ाने हेतु सरकार को गंभीर प्रयास करने की जरूरत

नई दिल्ली। सामान्य धारणा यह है कि भारत में दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन में अपेक्षित बढ़ोत्तरी करने के लिए धान, गेहूं एवं मक्का की खेती पर किसानो की निर्भरता घटना जरूरी है धान की फसल को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत पड़ती है जबकि पंजाब हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भूमिगत जल का स्तर घटता जा रहा है। सरकार फसल विविधीकरण पर जोर दे रही है जिसके तहत खासकर दलहन तिलहन का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है मगर अन्य फसलों का उत्पादन घटाकर इसकी पैदावार बढ़ाना व्यवहारिक कदम नहीं होगा। बेशक भारत फ़िलहाल चावल, गेहूं मक्का के उत्पादन से आत्मनिर्भर बना हुआ है लेकिन जब भी किसी कारणवश उत्पादन में गिरावट आती है तब इसका बाजार भाव उछल जाता है जिससे आम लोगो की परेशानी बढ़ जाती है यह सही है कि दलहनों एवं खाद्य तेलों का उत्पादन कम होने से विदेशो से इसके विशाल आयात की आवश्यकता पड़ती है जिस पर भारी भरकम बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए वैकल्पिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। भारत अभी दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश बना हुआ है और इसके शिपमेंट से देश को अरबो डॉलर की आमदनी प्राप्त होती है यदि इसका उत्पादन घटाने का प्रयास किया गया तो निर्यात आय स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगी। मक्का की मांग एवं खपत तेजी से बढ़ती जा रही है जबकि आगे भी इसमें वृद्धि का सिलसिला जारी रहने की संभावना है क्योंकि एथनॉल निर्माण में इसकी विशाल मात्रा का उपयोग होगा। इसे पूरा करने से घरेलू उत्पादन असमर्थ साबित हो सकता है और विदेशो से इसके भारी आयात की आवश्यकता पड़ सकती है। जहां तक गेहूं का सवाल है तो इसका घरेलू उत्पादन एवं उपयोग लगभग संतुलित स्तर पर है जबकि बाजार भाव सरकारी समर्थन मूल्य से काफी ऊंचा चल रहा है गेहूं का घरेलू उत्पादन बढ़ाये जाने की आवश्यकता महसूस हो रही है दलहन-तिलहन फसलों के साथ समस्या यह है कि इसकी औसत उपज दर काफी नीचे रहती है जिसे ऊपर उठाने की आवश्यकता है इसी तरह खाली पड़े या परती खेतो में इसकी खेती पर जोर दिया जा सकता है। धान की कटाई होने के बाद जहां खेत खाली होते है वहां दलहन-तिलहन फसलों की खेती की जा सकती है। इससे मिटटी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी।

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)
All India Daily Weighted Average Prices Of Major Edible Oils

Daily Prices	Edible Oils	(Latest)	1 Month Ago	1 Year Ago	% Variation over	
		07/11/2024	07/10/2024	07/11/2023	1 Month	1 Year
All-India Retail Price (in □ /kg)	Groundnut Oil	195.47	188.15	193.17	3.89	1.19
	Mustard Oil	168.28	156.64	139.12	7.43	20.96
	Vanaspati	141.58	132.14	126.95	7.14	11.52
	Soya Oil	140.01	131.29	125.07	6.64	11.95
	Sunflower Oil	146.22	134.44	124.35	8.76	17.59
	Palm Oil	127.4	117.2	100.47	8.70	26.80
All-India Consumer Wholesale Price (in □ /qtl)	Groundnut Oil	18345.07	17716.59	18120.05	3.55	1.24
	Mustard Oil	15849.55	14731.16	12999.93	7.59	21.92
	Vanaspati	13152.53	12240.84	11424.45	7.45	15.13
	Soya Oil	13114.02	12226.95	11483.55	7.26	14.20
	Sunflower Oil	13828.87	12618.09	11530.45	9.60	19.93
	Palm Oil	12158.76	11006.85	9244.9	10.47	31.52

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)

Prices in 4 Metros and Ranchi

Daily Retail Prices (□ /kg) in 4 Metros and Ranchi

Major Edible Oils	Delhi		Mumbai		Kolkata		Chennai		Ranchi	
	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)
Groundnut Oil	216	214	232	177	NR	NR	182	187	253	225
Mustard Oil	178	143	192	165	NR	131	210	153	173	127
Vanaspati	163	126	148	149	NR	121	159	108	130	95
Soya Oil	158	124	152	126	NR	115	NR	NR	155	115
Sunflower Oil	159	139	170	135	NR	121	156	110	148	118
Palm Oil	134	99	131	100	NR	95	136	86	132	90

CBOT & ICE CANOLA WEEKLY CLOSING REPORT

IGRAIN INDIA DELHI 9350141815

CBOT-OPEN	CBOT CLOSING: 04-Nov-24	CBOT CLOSING: 05-Nov-24	CBOT CLOSING: 06-Nov-24	CBOT CLOSING: 07-Nov-24	CBOT CLOSING: 08-Nov-24
SOYA OIL	SOYA OIL	SOYA OIL	SOYA OIL	SOYA OIL	SOYA OIL
DEC: 46.93 -0.37	DEC: 45.56 (-0.74)	DEC: 44.99 (-0.57)	DEC: 46.34 (+1.35)	DEC: 48.32 (+1.98)	DEC: 48.77 (+0.45)
JAN: 45.78 +0.28	JAN: 45.51 (-0.55)	JAN: 45 (-0.51)	JAN: 46.29 (+1.29)	JAN: 48.3 (+2.01)	JAN: 48.85 (+0.55)
MAR: 46.82 -0.29	MAR: 45.64 (-0.48)	MAR: 45.16 (-0.48)	MAR: 46.39 (+1.23)	MAR: 48.4 (+2.01)	MAR: 49.02 (+0.62)
SOYA SEED	SOYA MEAL	SOYA MEAL	SOYA MEAL	SOYA MEAL	SOYA MEAL
NOV: 994.00 +11.50	DEC: 299.6 (+4.3)	DEC: 299.5 (-0.1)	DEC: 298.4 (-1.1)	DEC: 298.5 (+0.1)	DEC: 296.2 (-2.3)
JAN: 1005.0 +11.50	JAN: 300.2 (+3.1)	JAN: 300.6 (+0.4)	JAN: 299 (-1.6)	JAN: 300.2 (+1.2)	JAN: 298.1 (-2.1)
MAR: 1019.25 +11.0	MAR: 302.9 (+2.7)	MAR: 303.3 (+0.4)	MAR: 301.5 (-1.8)	MAR: 303.1 (+1.6)	MAR: 301.2 (-1.9)
SOYAMEAL	SOYA SEED	SOYA SEED	SOYA SEED	SOYA SEED	SOYA SEED
DEC: 298.70 +3.40	NOV: 987.2 (+4.6)	NOV: 993.6 (+6.4)	NOV: 994.4 (+0.6)	NOV: 1015.4 (+21)	NOV: 1016.6 (+1.2)
JAN: 300.30 +3.20	JAN: 997.2 (+3.4)	JAN: 1001.6 (+4.4)	JAN: 1003.6 (+2)	JAN: 1026.2 (+22.4)	JAN: 1030.2 (+4)
MAR: 303.50 +3.30	MAR: 1011.6 (+3.4)	MAR: 1014.6 (+3)	MAR: 1014.6 (+0)	MAR: 1037.4 (+22.6)	MAR: 1043.4 (+6)
ICE CANOLA	ICE CANOLA CLOSE	ICE CANOLA CLOSE	ICE CANOLA CLOSE	ICE CANOLA CLOSE	ICE CANOLA CLOSE
JAN: 648.5 +2.6	NOV 630.30 -0.90	JAN 637.40 +5.60	NOV 633.10 +16	JAN 657 -2.80	JAN 650.60 +5.30
MAR: 659 +2.5	JAN 641.50 -3.50	MAR 649 +5.80	MAR 659.20 +0	MAR 669.60 -2.80	MAR 665.10 +5.30
MAY: 664.1 +0.4	MAR 653.40 -2.80	MAY 657.30 +5.80	MAY 667.20 +0.30	MAY 678 -2.60	MAY 677.90 +5.50
NYMEX CRUDE	NYMEX CRUDE CLOSE	NYMEX CRUDE CLOSE	NYMEX CRUDE CLOSE	NYMEX CRUDE CLOSE	NYMEX CRUDE CLOSE
DEC: 70.89 +1.4	DEC 71.45 -0.02	DEC 71.63 -0.36	DEC 72.14 +0.45	DEC 72.01 -0.35	DEC 70.38 -1.98
JAN: 70.45 +1.37	JAN 71.03 +0	JAN 71.20 -0.36	JAN 71.73 +0.49	JAN 71.60 -0.36	JAN 70.11 -1.85
FEB: 70.09 +1.33	FEB 70.64 -0.02	FEB 70.84 -0.34	FEB 71.35 +0.51	FEB 71.23 -0.34	FEB 69.85 -1.72
$ 84.11	$ 84.11	$ 84.14	$ 84.26	$ 84.28	$ 84.37

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

+91 9350141815 • igrainind@gmail.com

SOYA PROD. IMPORT, EXPORT, STOCK FIGURES (USDA SEPT. REPORT)

(QTY IN LAKH TONS) (2023-24 ESTIMATE)

WORLD

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	1122.5	1008.6	113.90
PRODUCTION	4292	3947.5	344.50
IMPORTS	1777.4	1778.6	1.20
CRUSHING	3466.7	3301.1	165.60
DOMESTIC USE	4029.8	3832.8	197.00
EXPORTS	1816.3	1779.5	36.80
ENDING STOCKS	1345.8	1122.5	223.30

AMERICA (U.S)

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	92.6	71.9	20.70
PRODUCTION	1248.1	1133.4	114.70
IMPORTS	4.1	5.4	1.30
CRUSHING	660	624.6	35.40
DOMESTIC USE	691.6	655.6	36.00
EXPORTS	503.5	462.7	40.80
ENDING STOCKS	149.7	92.6	57.10

BRAZIL

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	278.7	368.2	89.50
PRODUCTION	1690	1530	160.00
IMPORTS	1.5	8.5	7.00
CRUSHING	540	540	0.00
DOMESTIC USE	581	578.5	2.50
EXPORTS	1050	1050	0.00
ENDING STOCKS	339.2	278.2	61.00

ARGENTINA

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	243.5	170	73.50
PRODUCTION	510	490	20.00
IMPORTS	55	67	12.00
CRUSHING	400	355	45.00
DOMESTIC USE	476	427.5	48.50
EXPORTS	45	56	11.00
ENDING STOCKS	287.5	243.5	44.00

CHINA

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	428.8	323.4	105.40
PRODUCTION	207	208.4	1.40
IMPORTS	1090	1115	25.00
CRUSHING	1030	990	40.00
DOMESTIC USE	1268	1217	51.00
EXPORTS	1	1	0.00
ENDING STOCKS	456.8	428.8	28.00

SOYMEAL PROD. IMPORT, EXPORT, STOCK FIGURES (USDA AUGUST REPORT)

(QTY IN LAKH TONS) (2023-24 ESTIMATE)

WORLD

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	137.7	132.1	5.60
PRODUCTION	2718.7	2586.8	131.90
IMPORT	711.1	691.3	19.80
DOMESTIC USE	2663.1	2545.6	117.50
EXPORTS	746.3	726.9	19.40
ENDING STOCKS	158.3	137.7	20.60

INDIA

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	4	2	2.00
PRODUCTION	88	90.4	2.40
IMPORT	0.5	0.5	0.00
DOMESTIC USE	76.3	71.9	4.40
EXPORTS	12	17	5.00
ENDING STOCKS	4.2	4	0.20

AMERICA (U.S)

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	3.6	3.4	0.20
PRODUCTION	517.8	489.9	27.90
IMPORT	5.4	5.9	0.50
DOMESTIC USE	364	350.4	13.60
EXPORTS	158.8	145.2	13.60
ENDING STOCKS	4.1	3.6	0.50

BRAZIL

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	24.5	31.5	7.00
PRODUCTION	415.8	415.8	0.00
IMPORT	0.1	0.2	0.10
DOMESTIC USE	210	205	5.00
EXPORTS	205	218	13.00
ENDING STOCKS	25.4	24.5	0.90

ARGENTINA

	2024-25	2023-24	CHANGE
BEGINNING STOCKS	21.4	23.1	1.70
PRODUCTION	312	276.9	35.10
IMPORT	0.1	0.1	0.00
DOMESTIC USE	35.5	34.8	0.70
EXPORTS	273	244	29.00
ENDING STOCKS	25	21.4	3.60